

22.8.24

यत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी उपस्थित प्रकरण में पत्थर गती रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी गण की आराजी पर विपक्षी गण का कब्जा होने से पत्थर गती नहीं की जा सकी है। अतः आ. यत्र वर्जित आराजियात स्यः 1831, 1834 कित्त-2 रकबा 0.731 है भूमि के सम्पूर्ण हिस्से में प्रार्थी गण का कब्जा नहीं होने से प्रार्थी का प्रा. यत्र 1284RA खारीत किया जाता है। यत्रावली फंसल शुमार हो कर नम्बर से कम है।

५५